



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 437]  
No. 437]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, सितम्बर 18, 1986/भाद्र 27, 1908  
NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 18, 1986/BHADRA 27, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

वित्त मंत्रालय

( राजस्व विभाग )

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1986

अधिसूचना

सं. 122/86—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

मा. का नि. 1093(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1914 के नियम 12 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व प्रभाग) की अधिसूचना सं. 19 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 5 अप्रैल, 1949 को अधिष्ठात करते हुए, यह निर्देश देती है कि किसी विदेश पतन के लिए जाने वाले किसी जलयान के फलक पर उपभाग के लिए पातसामान के रूप में निर्यात किए गए किसी उत्पाद-शुल्क योग्य माल पर संबंधित उत्पाद-शुल्क का रिबेट, निम्न-लिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, अनुज्ञात होगा, अर्थात्—

(i) माल ऐसे परिमाण में हो, जिसे लदान पतन पर सीमा-शुल्क कलक्टर उचित समझता हो,

(ii) जैसा केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड द्वारा, किसी साधारण या विशेष आदेश द्वारा अनुज्ञात है, उसके सिवाय, माल का निर्यात सीधे किसी कारखाने या भागशाली से शुल्क का लदाय करने के पश्चात् किया जाता है,

(iii) माल का निर्यात उत्पादन करने वाले कारखाने से उसके हटाए जाने की तारीख के दो वर्षों में अधिक के पश्चात् या किसी ऐसी मधुतर अवधि के भीतर जो केन्द्रीय सरकार किसी विनिर्दिष्ट उत्पाद-शुल्क योग्य माल के लिए, विहित करे, किया जाता है।

(iv) निर्यात किए जाने वाले माल पर संबंधित शुल्क की रकम और उसके सन्दाय की तारीख, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क के अभिलेखों में केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क सहायक कलक्टर के समाधानप्रद रूप में सिद्ध हो जाती है,

(v) पूर्वोक्त नियमों के अध्याय 9 के सुसंगत उपबन्धों में उपबर्णित प्रक्रिया का अनुसरण किया जाता है;

(vi) माल का निर्यात उस तारीख से, जिसको माल की उत्पादन करने वाले कारखाने या भागशाली में निर्यात के लिए निकासी की गई थी, छह मांस के भीतर या ऐसी बड़ाई गयी अवधि के भीतर किया जाता है जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलक्टर किसी विशिष्ट मामले में अनुज्ञात करे, और रिबेट कर वाचा, निर्यात किए जाने के मूल के साथ, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क सहायक कलक्टर के पास केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 11ख में विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के पूर्व दाखिल किया जाता है;

- (vii) अनुज्ञेय रिबेट की रकम पाँच रुपए से कम नहीं है; और  
(viii) निर्यात किए जाने के समय माल का मूल्य, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क सहायक कलक्टर की राय में, वाचा की गई रिबेट की रकम से कम नहीं है।

[फा. सं. 218/35/86 के.उ.शु.-6]

# MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 18th September, 1986

## NOTIFICATION

NO. 422/86-CENTRAL EXCISE

G.S.R. 1093(E).—In exercise of the power conferred by rule 12 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Revenue Division) No. 11-Central Excises dated the 5th April, 1949, the Central Government hereby directs that rebate of the excise duty paid on any excisable goods, exported as ships stores for consumption on board a vessel bound for any foreign port, shall be allowed subject to the following conditions, namely :—

- (i) that the goods are in such quantities as the Collector of Customs at the port of shipment may consider reasonable;
- (ii) that except as otherwise permitted by the Central Board of Excise and Customs by a general or a special order, the goods are exported after payment of duty directly from a factory or a warehouse;
- (iii) that the goods are exported not more than two years after the date of their removal from the producing factory or within such shorter period as the Central Government may prescribe for any specified excisable goods;
- (iv) that the amount of duty paid on the goods to be exported, and the date of payment thereof, are established, from the Central Excise records, to the satisfaction of the Assistant Collector of Central Excise;

- (v) that the procedure set out in the relevant provisions of Chapter IX of the aforesaid rules is followed;
- (vi) that the goods are exported within six months from the date on which the goods were cleared for export from the producing factory or the warehouse or within such extended period as the Collector of Central Excise may in any particular case allow, and the claim for rebate, together with the proof of due exportation is lodged with the Assistant Collector of Central Excise before the expiry of the period specified in section 11B of the Central Excise and Salt Act, 1944 (1 of 1944);
- (vii) that the amount of rebate admissible is not less than five rupees; and
- (viii) the value of the goods at the time of exportation is, in the opinion of the Assistant Collector of Central Excise, not less than the amount of rebate claimed.

[F. No. 218/35/86-CX. 6]

### अधिसूचना

सं. 423/86 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

मा. का. नि. 1094 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 12 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व प्रभाग) की अधिसूचना सं. 46-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 1 नवम्बर, 1951 को विरुद्धित करती है।

[फा. सं. 218/35/86-के.उ.शु.6]

ए. के. प्रसाद, अवर सचिव

## NOTIFICATION

NO. 423/86-CENTRAL EXCISE

G.S.R. 1094(E).—In exercise of the power conferred by rule 12 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby rescinds the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Revenue Division) No. 46-Central Excises, dated the 1st November, 1954.

[F. No. 218/35/86-CX. 6]

A. K. PRASAD, Under Secy.